

वाँइस ऑफ इलाहाबाद

राजर्षि टंडन मुविवि में पुरातन छात्र सम्मेलन आज

वयोवृद्ध संत पद्मश्री शिवानंद महाराज करेंगे उद्घाटन

वाँइस ऑफ इलाहाबाद प्रयागराज। उग्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 13 अप्रैल को पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। रजत जयंती वर्ष में आयोजित हो रहे इस सम्मेलन में विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र अपनी खड़ी मीठी यादों को साझा करेंगे।

यह जानकारी पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने देने हुए बताया कि विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में दोपहर 2 बजे सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि वयोवृद्ध संत पद्मश्री महायोगी शिवानंद महाराज, कबीर नगर, वाराणसी करेंगे। योग के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त कर चुके 127 वर्षीय शिवानंद तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ गोविंद के कर कमलों से

पद्मश्री सम्मान प्राप्त कर चुके हैं।

उन्होंने बताया कि पुरातन छात्र सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी। इस अवसर पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पृथ्वीश नाग, बुंदेलखंड विवि, झांसी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे वी वैशम्पायन, जयप्रकाश विवि, छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह विशिष्ट पुरातन छात्रों का सम्मान करेंगी। उन्होंने बताया कि पुरातन छात्र सम्मेलन के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस अवसर पर पुरातन छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।





m0 iz0 jktf'kZ V.Mu eqDr fo" ofo|ky;] iz;kxjkt

iqjkru Nk= IEesy & 2023

Ikseokj] 13 vizSy 2023

fof''k'V iqjkru Nk= IEeku	%	fof''k'V iqjkru Nk= 1. Jherh yfyrk iznhi& iwoZ vij f''k{kk funks''kd] m0 iz0 (PGDYO) 2. Jh Ñik "kadj flag& iwoZ Mh0 vkbZO th0] (MBA) 3. Mkw0 dkfrZds; "kekZ] ofj'B U;wjks ItZu] iz;kxjkt (Diploma in Computer) 4. Jh jk?kosUnz ;kno] Vh0 Mh0 ,e0] izrkix<+ (MBA) 5. Mkw0 vo/k ukjk;.k] lg vkpk;Z] Mkw0vkj0,e0,y0vo/k fo0fo0] v;ks;/k (MAEN) 6. Jh izeksn frokjh] iz/kkukpk;Z] fryd b.Vj dkWyst] izrkix<+ (MBA) 7. Mkw0 /kuUt; pksiM+k] bykgkckn fo" ofo ky;] iz;kxjkt (MJMC) 8. Ekks0 eksbZu] C;wjksphQ] ,0oh0ih0 U;wt] iz;kxjkt (MJMC) 9. Mkw0 lqxzho flag] ykbZczsfj;u] jkstxkj dk;kZy; (Ph.D. Edu.) 10. Jherh fiz;adk JhokLro] HR, Head, Sonata Micro Finance (CHR) 11. Ikzks0 liuk pkS/kjh] iz;kx efgyk fo kihB] iz;kxjkt (PGDYO)

må izå jktf'kZ V.Mu iqjkru Nk= ifj'kn ds rRok/kku esa fnukad 26 ebZ] 2023 dks IEiUu izfrHkk IEeku dh vk[;k

vk;kstu drkZ%& må izå jktf'kZ V.Mu iqjkru Nk= ifj'kn
vk;kstu fnu ,oa fnukad%& "kfuokj] 26 ebZ] 2023
dk;ZØe dh v/;{krk%& ekå dqyifr izksQslj lhek flag
dk;ZØe dk uke%& izfrHkk IEeku
IEekfur fd;s tkus okys dk uke%&

lqJh Js;k flag

Hkkjrh; ç'kklfud Isok ¼vkb-Z,-,l-½ esa 639 jSad
çklr dj p;furA

mÜkj çns'k jktf"kZ VaMu eqä fo'ofokj; ds ,e , lekt'kkL=
dk;ZØe dh mÜkh.kZ Nk=k lqJh Js;k flag ds Hkkjrh; ç'kklfud
Isok ¼vkb-Z,-,l-½ esa p;fur gksus ij lqJh flag dks IEekfur fd, tkus
gsrq vkt fnukad 26 ebZ 2023 dks vijkgu 3%30 cts fo'ofokj; ds
iqjkru Nk= ifj"kn ds rRok/kku esa ,d IEeku lekjksg dk vk;kstu
yxsdekU; fryd 'kkL=kFkZ IHkkxkj esa fd;k x;kA bl dk;ZØe esa
;wih,llh esa 639 jSad çklr dj flfoy Isok esa p;fur lqJh Js;k flag]
mudh eka Jherh iadtk flag tks fd ,d fganh fo"k; dh v;/kfidk gS
rFkk firk Jh 'kSysaæ flag th Hkh tks fd ,d fdku gSa bl dk;ZØe
esa mifLFkr jgsA

dk;ZØe esa lqJh Js;k flag dh ekrk th Jherh iadtk flag us viuk
fopkj O;ä djrs gq, dgk fd cPpksa dh IQyrk esa ekrk&firk dk
egRoiw.kZ ;ksxnku gksrk gSA ftl rjg cPps vius ijh{kkQy ds fy, jkr
Hkj tkxdj bartkj djrs gSa mlls dgha T;knk ekrk firk jkr Hkj tkxdj
vius cPpksa dh fpUrK ,oa muds ijh{kk Qy dk bartkj djrs gSa vkSj
og lcls cM+h lq[k dh ?kM+h gksrh gS tc muds cPps ns'k dh
loksZPp ijh{kk ¼vkb-Z,-,l-½ esa p;fur gksdj ifjokj dk ,oa
ekrk&firk dk eku IEeku c<+krs gSaA Bhd mlh çdkj ls esjh iq=h

lqJh Js;k flag us vkbZ,,l esa p;fur gksdj ge lc dk eku&IEeku
c<+k;k gSA mUgksaus ;g Hkh dgk fd ftl fo"k; dks ysdj lqJh Js;k
flag us ;wih,,lh dh ijh{kk esa IQyrk çklr fd;k og mlh fo"k; ls mUkj
çns'k jktf"kJ VaMu eqä fo'ofok; ds lekt foKku folk 'kk[kk ds
lekt'kkL= fo"k; ls ijkLukrd dh fMxzh çklr dj pqdh gaSA lekt"kkL=
fo'k; us gh bl ijh{kk esa IQyrk fnykus ds fy, egRoiw.kZ Hkwfedk
dk fuoZgu fd;k gSA

viuk fopkj O;ä djrs gq, lqJh Js;k flag us dgk fd bl fo'ofok; ls
lekt'kkL= fo"k; esa ijkLukrd djuk esjs fy, lkSHkkX; dh ckr gS vkSj
mUgksaus crk;k fd fdl rjg ls mUgksaus viuk mís'; çklr djus ds fy,
dksfoM dky esa lekt'kkL= fo"k; ls mUkj çns'k jktf"kJ VaMu eqä
fo'ofok; ls IQyrkiwoZd ijkLukrd dh fMxzh çklr fd;kA mudk dguk
Fkk fd ;g fo"k; esjs fy, egRoiw.kZ rks Fkk gh lkFk gh bl fo"k; esa
fMxzh ysuk Hkh esjs fy, egRoiw.kZ gks x;k vkSj bl fo"k; dks
eSaus mä ijh{kk esa eq[; fo"k; ds :i esa p;fur djds ;g IQyrk çklr
fd;k gSA mUgksaus blds fy, fo'ofok; dks /kU;okn Kkfir fd;kA

vius v/;{kh; mn~cks/ku esa fo'ofok; dh ekuuh;k dqyifr
çksQslj lhek flag th us dgk fd fuf'pr :i ls lqJh Js;k flag dk IQy
gksuk ekrk firk ds fy, xkSjo dh ckr rks gS gh gekjs fo"ofok; ds
fy, Hkh xkSjo dk {k.k gSA fo"ofok; ds vU; f"kk{kFkZ;ksa ds fy,
Hkh ;g IQyrk izsj.kk lzksr gksxkA mUgksaus dgk fd lcls vPNh
ckr ;g gS fd ,d ek; gh vius cPps dh vPNh ijofj'k dj ldrh gS vkSj
;fn eka ,d f'k{k d gS rks og vkSj Hkh vPNh rjg ls vius cPpksa dh
ijofj'k dj ldrh gS ftldk thrk tkxrk mnkgj.k lqJh Js;k flag dh IQyrk
gSA lqJh Js;k flag dk ns'k ds loksZPp ijh{kk esa IQy gksuk bl
ckr dk çek.k gS fd ekrk firk vFkd ifjJe djrs gq, vius cPpksa dh
ijofj'k ,oa mudks fn'kkfunsZ'k nsrs jgrs gSaA mUgksaus dgk fd
Js;k flag us bl fo'ofok; dk Hkh eku c<+k;k gSA

bl dk;ZØe esa lHkh folk 'kk[kkvksa ds funs'kd] f'k{k
folk'kk[kk ds vkpk;Z çksQslj ih- ds- ikaMs;] vkpk;Z çksQslj N=lky
flag] lg vkpk;Z fxjh'k dqekj f}osnh ,oa fnus'k flag rFkk lgk;d
vkpk;Z M,å lqjsaæ dqekj ,oa leLr folk 'kk[kkvksa ds vkpk;Z] lg
vkpk;Z rFkk lgk;d vkpk;Z x.k mifLFkr jgsA

mDr iqjkru Nk= IEeku esa fo"ofok; ifjokj ds yxHkx 60
yksxksa us izfrHkkx fd;kA eapklhu eq[; vfrfFk] ekå dqyifr
egksn;k ,oa dqyifpo dk iq'lk xqPN iznku dj iqjkru Nk= ifj'kn ds
leLr inkf/kdkfj;ksa ;Fkk MkWå Kku izdk" k ;kno ¼v/;{k½] MkWå

ehjk icy ¼mik/;{k½] Mkwå lrh”k pUn tSly ¼dks’kk/;{k½] Mkwå
lqjsUnz dqekj ¼lfpo½] Mkwå uhrk feJk ¼lnL;½ vkfn us Lokxr
,oa vfHkuUnu fd;kA IHkkxkj esa mifLFkr leLr vfrfFk;ksa ,oa
izfrHkkfx;ksa dk Lokxr lekt foKku fo|k”kk[kk ds funs”kd ,oa
/kU;okn Kkiu fo”ofokj; ds dqylfpo duZy fou; dqekj flag th us
fd;kA dk;ZØe dk lapkyu iqjkru Nk= ifj’kn ds v/;{k Mkwå Kku
izdk”k ;kno }kjk fd;k x;kA

bl volj ij ekå dqyifr izksQslj lhek flag th }kjk lqJh Js;k flag dks
muds Hkkjrh; ç’kklfud Isok ¼vkb-Z,-,l-½ esa 639 jSad çklr dj
p;fur gksus ds miy{; esa vaxoL=e ,oa le`fr fpUg iznku dj IEekfur
fd;k x;kA lkFk gh lqJh Js;k flag dh ekrk Jherh iadtk flag ,oa fir
Jh 'kSysaæ flag dks Hkh ekå dqyifr th us vaxoL=e rFkk le`fr
fpUg iznku dj IEekfur fd;kA

¼Mkwå lqjsUnz dqekj½

Lkfpo

må izå jktf’kZ V.Mu iqjkru Nk= dY;k.k ifj’kn



॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्कान् ॥

मुक्त चिन्तन

News Letter



30प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

26 मई, 2023



उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
प्रतिभा सम्मान - समारोह
दिनांक - 26 मई, 2023
अध्यक्षता
प्रो. सीमा सिंह
मा. कुलपति उ. प्र. रा. ट. मु. वि. वि. प्रयागराज
आयोजक - पुरातन छात्र कल्याण परिषद, उ. प्र. रा. ट. मु. वि. वि. प्रयागराज

आईएस में चयनित
श्रेया सिंह
का मुवि वि ने
किया सम्मान

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएस) में चयनित सुश्री श्रेया सिंह एवं उनकी मां श्रीमती पंकजा सिंह तथा पिता श्री शैलेश सिंह को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी तथा साथ में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के पुरातन छात्र परिषद ने विश्वविद्यालय की एम. ए. समाजशास्त्र कार्यक्रम की उत्तीर्ण छात्रा सुश्री श्रेया सिंह के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएस) में चयनित होने पर सम्मान किया। दिनांक 26 मई, 2023 को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने सुश्री श्रेया सिंह को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। माननीया कुलपति प्रोफेसर सिंह ने श्रेया की मां श्रीमती पंकजा सिंह तथा पिता श्री शैलेश सिंह का भी स्वागत सम्मान किया। समारोह का संचालन पुरा छात्र परिषद के अध्यक्ष तथा सम्मान समारोह के संयोजक डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने किया। अतिथियों का स्वागत समाज विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर एस कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।



दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण



मुक्त विज्ञान



समारोह का संचालन करते हुए पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष तथा सम्मान समारोह के संयोजक डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव



मुक्ता विज्ञान



श्रीमती
सीमा सिंह
म. वि. वि.
परिषद्, उ. प्र.

म. वि. वि. प्रयागराज

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई डॉ० मीरा पाल



आयोजक

सुश्री श्रेया सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई डॉ० अनिता मिश्रा



कुलसचिव कर्नल विनय कुमार जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ० सुरेन्द्र कुमार







उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
प्रतिभा सम्मान - समारोह
दिनांक - 26 मई, 2023
अध्यक्षता
प्रो. सीमा सिंह
 मा. कुलपति, उ. प्र. रा. ट. म. वि. वि. प्रयागराज
आयोजक - पुरातन छात्र कल्याण परिषद्, उ. प्र. रा. ट. म. वि. वि. प्रयागराज




अतिथियों का स्वागत करते हुए समाज विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर एस कुमार



मुक्ता चिन्तन

प्रतिभा सम्मान



भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में चयनित सुश्री श्रेया सिंह को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी



भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में चयनित सुश्री श्रेया सिंह की मां श्रीमती पंकजा सिंह तथा पिता श्री शैलेश सिंह को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी तथा साथ में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार



भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में चयनित सुश्री श्रेया सिंह एवं उनकी मां श्रीमती पंकजा सिंह तथा पिता श्री शैलेश सिंह को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी तथा साथ में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार



बच्चों की सफलता में माता-पिता का महत्वपूर्ण योगदान होता है - श्रीमती पंकजा सिंह

कार्यक्रम में सुश्री श्रेया सिंह की माताजी श्रीमती पंकजा सिंह ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों की सफलता में माता-पिता का महत्वपूर्ण योगदान होता है। जिस तरह बच्चे अपने परीक्षाफल के लिए रात भर जागकर इंतजार करते हैं उससे कहीं ज्यादा माता पिता रात भर जागकर परीक्षा फल का इंतजार करते हैं और वह सबसे बड़ी सुख की घड़ी होती है जब उनके बच्चे देश की सर्वोच्च परीक्षा में चयनित होकर परिवार का एवं माता-पिता का मान सम्मान बढ़ाते हैं। ठीक उसी प्रकार से मेरी पुत्री सुश्री श्रेया सिंह ने आईएएस में चयनित होकर हम सब का मान सम्मान बढ़ाया है।



उन्होंने यह भी कहा कि जिस विषय को लेकर सुश्री श्रेया सिंह ने यूपीएससी की परीक्षा में सफलता प्राप्त किया वह उसी विषय से उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्या शाखा के समाजशास्त्र विषय से परास्नातक की डिग्री प्राप्त किया है। जिसने इस परीक्षा में सफलता दिलाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है।



मुक्ता चिन्तन

मुक्त विश्वविद्यालय की अध्ययन सामग्री प्रतियोगी छात्रों के लिए बहुत मददगार है—सुश्री श्रेया सिंह



अपने विचार व्यक्त करते हुए सुश्री श्रेया सिंह ने कहा इस विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र विषय में परास्नातक करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है और उन्होंने बताया कि किस तरह से उन्होंने अपना उद्देश्य प्राप्त करने के लिए कोविड काल में समाजशास्त्र विषय से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय से सफलतापूर्वक परास्नातक की डिग्री प्राप्त किया।



मुक्त विश्वविद्यालय की अध्ययन सामग्री प्रतियोगी छात्रों के लिए बहुत मददगार है। उनका कहना था कि यह विषय मेरे लिए महत्वपूर्ण तो था ही साथ ही इस विषय में डिग्री लेना भी मेरे लिए महत्वपूर्ण हो गया और इस विषय को मैंने उक्त परीक्षा में विषय के रूप में चयनित करके यह सफलता प्राप्त किया है। उन्होंने इसके लिए विश्वविद्यालय को धन्यवाद ज्ञापित किया।



मुक्त चिन्तन

श्रेया का आईएएस में चयन मुक्त विश्वविद्यालय के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है— प्रोफेसर सीमा सिंह



अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने कहा कि निश्चित रूप से सुश्री श्रेया सिंह का सफल होना माता पिता के लिए गौरव की बात है और सबसे अच्छी बात है कि एक मा ही अपने बच्चे की अच्छी परवरिश कर सकती है और यदि मां एक शिक्षक है तो वह अपने बच्चों की परवरिश और भी अच्छे तरीके से कर सकती है। सुश्री श्रेया सिंह का देश के सर्वोच्च परीक्षा में सफल होना इस बात का प्रमाण है कि माता पिता जी अथक परिश्रम करते हुए अपने बच्चों की परवरिश एवं उनको दिशानिर्देश देते रहते हैं।



विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने कहा कि श्रेया का आईएएस में चयन मुक्त विश्वविद्यालय के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है तथा श्रेया सिंह ने इस विश्वविद्यालय का भी मन बढ़ाया है। इससे अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिलेगी।



मुक्ता चिन्तन



धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार



राष्ट्रगान

मुक्त चिन्तन

कार्यक्रम की अन्य झलकियां



Korsand, Uttar Pradesh, India
Opposite RAF gate, no 2, Shantipuram Rd, Korsand, Uttar Pradesh
211013, India
Lat 25.53814°
Long 81.852734°
26/05/23 03:51 PM GMT +05:30



Korsand, Uttar Pradesh, India
Opposite RAF gate, no 2, Shantipuram Rd, Korsand, Uttar Pradesh
211013, India
Lat 25.538138°
Long 81.852734°
26/05/23 03:45 PM GMT +05:30



Korsand, Uttar Pradesh, India
Opposite RAF gate, no 2, Shantipuram Rd, Korsand, Uttar Pradesh
211013, India
Lat 25.53814°
Long 81.85273°
26/05/23 03:49 PM GMT +05:30



Korsand, Uttar Pradesh, India
Opposite RAF gate, no 2, Shantipuram Rd, Korsand, Uttar Pradesh
211013, India
Lat 25.538142°
Long 81.852731°
26/05/23 03:57 PM GMT +05:30



Korsand, Uttar Pradesh, India
GVQ2+WVJ, Korsand, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.53814°
Long 81.852736°
26/05/23 04:00 PM GMT +05:30



Korsand, Uttar Pradesh, India
Opposite RAF gate, no 2, Shantipuram Rd, Korsand, Uttar Pradesh
211013, India
Lat 25.53814°
Long 81.852738°
26/05/23 03:39 PM GMT +05:30



Korsand, Uttar Pradesh, India
GVQ3+55W, Korsand, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.538109°
Long 81.852831°
26/05/23 03:18 PM GMT +05:30



Korsand, Uttar Pradesh, India
GVQ2+WVJ, Korsand, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.538269°
Long 81.852649°
26/05/23 03:38 PM GMT +05:30

इस कार्यक्रम में यूपीएससी में 639 रैंक प्राप्त कर सिविल सेवा में चयनित सुश्री श्रेया सिंह, उनकी मां श्रीमती पंकजा सिंह जो कि एक हिंदी विषय की अध्यापिका है तथा पिता श्री शैलेंद्र सिंह जी भी जो कि किसान हैं इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।